UPRB010033892026

न्यायालय प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रायबरेली।
पीठासीन अधिकारी–श्री अनिल कुमार पंचम, (उ0प्र0 उच्चतर न्यायिक सेवा)– UP6045
प्रथम जमानत प्रार्थना–पत्र संख्या–1416/2026

1–मोहित आर्या उम्र 19 वर्ष पुत्र मंजे कुमार निवासी मोहल्ला गोड़ा, कस्बा डीह, थाना डीह, जिला रायबरेली।

..... प्रार्थी/अभियुक्त

बनाम

1–राज्य उ०प्र० द्वारा जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) रायबरेली।

..... अभियोगी।

मुकदमा अपराध संख्या–73/2026
अं०धारा–109(2),3(4) बी.एन.एस.
व 9/25/27 आर्म्स एक्ट
थाना–डीह, जनपद–रायबरेली

दिनांक–30.06.2026

प्रार्थी/अभियुक्त **मोहित आर्या** की ओर से यह प्रथम जमानत प्रार्थनापत्र मुकदमा अपराध संख्या–73/2026 अन्तर्गत धारा–109(2),3(4) भारतीय न्याय संहिता व 9/25/27 आर्म्स एक्ट, थाना–डीह, जनपद–रायबरेली के मामले में प्रस्तुत किया गया है।

प्रथम सूचना रिपोर्ट के अनुसार अभियोजन कथानक संक्षिप्तः इस प्रकार है कि, "दिनांक 04–05.5.26 को जल जीवन मिशन के इकोटोन प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम के लूट करने वाले गिरोह के सदस्य घटना मे प्रयुक्त वाहन फोर्ड फीगो नं० UP33S7253 हरा रंग मे लूटे गये माल को लेकर बेचने के लिए कस्बा डीह होते हुए फुर्सतगंज जनपद अमेठी की तरफ जा रहे है। सूचना पर, उक्त वाहन का कस्बा डीह की तरफ से पीछा/चेंकिग करना बताया गया। चालक द्वारा हड़बड़ाहट मे अचानक सड़क की बांयी पटरी पर रोककर गाडी मोड़ने की कोशिश करने लगा कि आगे गड्ढा होने के कारण अचानक गाड़ी बन्द हो गयी तो गाड़ी में बैठे सभी व्यक्ति ने हम पुलिस वालो को देखकर एक राय होकर ललकारा कि ये पुलिस वाले है गोली मार दो इस पर ड्राईविंग सीट व उसकी बगल वाली शीट से दोनो व्यक्तियो द्वारा गेट खोलकर अलग अलग दिशा मे भागते हुए ड्राईवर चालक की बगल सीट पर बैठा व्यक्ति मेरी टीम पर और चालक सीट पर बैठे व्यक्ति ने पीछे से आयी पुलिस टीम पर निशाना लगाकर जान से मारने की नियत से फायर किया जो संयोगवश हम पुलिस वालो के बगल से निकल गयी जिससे हम पुलिस वाले बाल बाल बच गये आत्मरक्षार्थ मे मुझ प्रभारी निरीक्षक द्वारा करीब 20 कदम की दूरी से अपनी सरकारी पिस्टल से ड्राईविंग सीट के बगल वाली सीट पर बैठे व्यक्ति को जो पुनःकारतूस तमंचे मे लोड कर रहा था कि आत्मरक्षार्थ रोकने की नियत से कमर के नीचे फायर किया जो उसके दाहिने पैर मे लगी जबकि दूसरा व्यक्ति जिसने दूसरी टीम के उ0नि0 शिवम जायसवाल आदि पुलिस बल पर जान से मारने की नियत से फायर किया था घेरावंदी की बजह से वह भी तमंचा तानकर निशाना लगाकर मेरी तरफ झाड़ियो का आड़ लेकर आगे बढा कि मेरे द्वारा अपनी व साथी पुलिस बल की सुरक्षार्थ उसके कमर के नीचे की तरफ फायर किया जो उसके वायें पैर मे लगी कि हम सभी पुलिस वाले सिखलाये गये तरीके से उनके गिरने पर पुनः फायर न करने का

मौका देते हुए उन्हे घेर कर पकड़ लिया गया। हिकमत अमली से पूछताछ की गयी तो सभी ने बताया कि हमने अपने अन्य साथियो के साथ मिलकर कस्बा डीह में स्थित जलजीवन मिशन के गोदाम के पीतल की टोटी चोरी करने की योजना बनाई थी। मौके पर फोर्ट फीगो कार से सभी बोरियो को निकलवाकर गिनती करायी गयी तो पहली जूट की बोरी मे 153 अदद पीतल टोटी दूसरी बोरी में 188 अदद पीतल की टोटी तीसरी प्लास्टिक की बोरी मे 192 अदद पीतल की टोटी चौथी जूट की बोरी मे 172 अदद पीतल की टूटी पांचवी एक प्लास्टिक की बोरी मे 215 अदद पीतल की टोटी कुल 920 अदद पीतल की टोटी बरामद हुयी।"

प्रार्थी/अभियुक्त के विद्वान अधिवक्ता द्वारा जमानत प्रार्थनापत्र संक्षिप्तः इस आशय का प्रस्तुत किया गया है कि, प्रार्थी/अभियुक्त सर्वथा निर्दोष है तथा उसे साजिशन एवं रंजिशन झूठा फंसाया गया है। प्रार्थी/अभियुक्त एफ.डी.डी.आई. फुरसतगंज अमेठी का छात्र है तथा उसका भविष्य शिक्षा पर निर्भर है। प्रार्थी/अभियुक्त की आयु 19 वर्ष है तथा उसका कोई आपराधिक इतिहास नही है। पुलिस द्वारा प्रार्थी/अभियुक्त को फोन करके थाना हाजा पूछतांछ करने के लिए बुलाया गया जहां वह अपनी मां के साथ गया था उसे थाना हाजा में बैठाये रखा जो कि थाना हाजा की सी.सी.टी.वी. फुटेज में कैद भी होगा। अभियोजन द्वारा दर्शायी गयी बरामदगी एवं घटना पूर्णतया मनगढ़न्त है कथित चोरी की टोटियां थाना के सामने से आये एवं कार से दिखाकर झूठी बरामदगी प्रदर्शित की गयी है। प्रार्थी/अभियुक्त को रात्रि में थाना से ले जाकर फर्जी भुठभेड़ दिखाकर गिरफ्तार किया गया है। अभियोजन पक्ष द्वारा की गयी फायरिंग के कथित खोखे बरामद होना दर्शाया गया है जबकि पुलिस द्वारा आत्मरक्षा के लिये गये कथित फायर के संबंध में कोई खोखा बरामद नही किया है यह तथ्य अभियोजन कहानी को अविश्वसनीय बनाता है तथा कथित पुलिस मुठभेड़ की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न उत्पन्न करता है इस प्रकार संपूर्ण अभियोजन कहानी मनगढ़न्त एवं फर्जी है। कथित घटना के सम्बन्ध में कोई स्वतन्त्र साक्षी नही है तथा सम्पूर्ण अभियोजन कथानक के पुलिस कर्मियों के कथनों पर आधारित है। सम्पूर्ण अभियोजन कथानक असत्य एवं आधारहीन तथ्यो पर आधारित होने के कारण विश्वसनीय नही है। कथित घटना, गिरफ्तारी व कथित बरामदगी से समय का कोई जनता का साक्षी नामित नही है। प्रार्थी/अभियुक्त की गिरफ्तारी की फर्द में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि फर्द की एक कॉपी प्रार्थी/अभियुक्त को उपलब्ध करायी गयी है जबकि प्रार्थी/अभियुक्त स्वयं पुलिस कस्टडी में था। हवालात में बन्द करते समय प्रार्थी/अभियुक्त की जामा तलाशी में प्रार्थी/अभियुक्त के पास से फर्द बरामदगी की कॉपी न मिलना भी सम्पूर्ण अभियोजन कथानक को झूठा एवं निराधार साबित करता है। प्रार्थी/अभियुक्त का कोई आपराधिक इतिहास नही है। प्रार्थी/अभियुक्त दिनांक 06.05.2026 से जिला कारागार में निरूद्ध है जो कि गवाहो से कोई भी छेड़छाड़ नही करेगा। प्रार्थी/अभियुक्त का जमानत प्रार्थना–पत्र अवर न्यायालय द्वारा दिनांक 11.05.2026 को खारिज किया जा चुका है। सत्र न्यायालय में प्रार्थी/अभियुक्त का यह प्रथम जमानत प्रार्थना–पत्र है इसके अलावा अन्य कोई जमानत प्रार्थना–पत्र माननीय उच्च न्यायालय में न तो दिया गया है, न लंबित है। प्रार्थी/अभियुक्त अपनी समुचित जमानत देने को तैयार है, तथा जमानत का दुरूपयोग नही करेगा। अतः अपराध उपरोक्त में प्रार्थी/अभि० का जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार कर रिहा किये जाने की याचना की गयी है।

विद्वान सहायक जिला लोक अभियोजक द्वारा कथन किया गया कि, प्रार्थी/अभियुक्त द्वारा अपने सह अभियुक्तो के साथ मिलकर दिनांक 05.05.2026 को गोदाम में घुस कर चौकीदारो के साथ मार पीट कर बन्धक बना कर गोदाम में रखी पीतल की टोटिया एंव चौकिदारो के फोन लूटने तथा गिरफ्तारी के समय ही मौके पर फोर्ट फीगो कार से सभी बोरियो को निकलवाकर गिनती करायी गयी तो पहली जूट की बोरी मे 153 अदद पीतल टोटी दूसरी बोरी मे 188 अदद पीतल की टोटी तीसरी प्लास्टिक की बोरी मे 192 अदद पीतल की टोटी चौथी जूट की बोरी में 172 अदद पीतल की टूटी पांचवी एक प्लास्टिक की बोरी में 215 अदद पीतल की टोटी कुल 920 अदद पीतल की टोटी बरामद हुयी थी। अभियुक्त जमानत पर रिहा किया गया तो जमानत की शर्तों का दुरुपयोग करने व फरार होने तथा साक्ष्य व साक्षियों को प्रभावित करने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता। उपरोक्त आधारों पर अभियुक्त की जमानत का घोर विरोध करते हुए जमानत प्रार्थनापत्र निरस्त किये जाने की याचना की गयी है।

अभियुक्त के विद्वान अधिवक्ता, वादी के विद्वान अधिवक्ता एवं विद्वान जिला सहायक लोक अभियोजक को सुना एवं पत्रावली का परिशीलन किया।

उल्लेखनीय है कि प्रार्थी/अभियुक्त प्रथम सूचना रिपोर्ट में नामजद अभियुक्त है। अभियोजन द्वारा कथन किया गया है कि, प्रार्थी/अभियुक्त द्वारा अपने सह अभियुक्तो के साथ मिलकर दिनांक 05.05.2026 को गोदाम में घुस कर चौकीदारो के साथ मार पीट कर बन्धक बना कर गोदाम में रखी पीतल की टोटिया एंव चौकिदारो के फोन लूटने तथा गिरफ्तारी के समय ही मौके पर फोर्ट फीगो कार से सभी बोरियो को निकलवाकर गिनती करायी गयी तो पहली जूट की बोरी मे 153 अदद पीतल टोटी दूसरी बोरी मे 188 अदद पीतल की टोटी तीसरी प्लास्टिक की बोरी मे 192 अदद पीतल की टोटी चौथी जूट की बोरी में 172 अदद पीतल की टूटी पांचवी एक प्लास्टिक की बोरी में 215 अदद पीतल की टोटी कुल 920 अदद पीतल की टोटी बरामदगी हुयी थी।

केस डायरी संख्या –1 के पृष्ठ संख्या 32–33 पर वादी जितेन्द्र मोहन सरोज द्वारा अपने धारा 180 भा०ना०सु०सं० के बयान में कथन किया गया है कि," .... चालक सीट पर एवं उसके बगल वाली सीट पर बैठे व्यक्ति ने हम पुलिस वालो को देखकर ललकारा कि ये पुलिस वाले है गोली मार दो और दोनो द्वारा गेट खोलकर अलग अलग दिशा मे भागते हुए ड्राईवर चालक की बगल सीट पर बैठा व्यक्ति मेरी टीम पर और चालक सीट पर बैठे व्यक्ति ने पीछे से आयी पुलिस टीम पर निशाना लगाकर जान से मारने की नियत से फायर किया... आत्मरक्षार्थ मे ... अपनी सरकारी पिस्टल से ड्राईविंग सीट के बगल वाली सीट पर बैठे व्यक्ति को जो पुनः कारतूस तमंचे मे लोड कर रहा था कि आत्मरक्षार्थ रोकने की नियत से कमर के नीचे फायर किया जो उसके दाहिने पैर मे लगी जबकि दूसरा व्यक्ति जिसने दूसरी टीम के उ0नि0 शिवम जायसवाल आदि पुलिस बल पर जान से मारने की नियत से फायर किया था घेराबंदी की बजह से वह भी तमंचा तानकर निशाना लगाकर मेरी तरफ झाड़ियो का आड़ लेकर आगे बढ़ा कि मेरे द्वारा अपनी व साथी पुलिस बल की सुरक्षार्थ उसके कमर के नीचे की तरफ फायर किया जो उसके वायें पैर मे लगी.... उनका नाम पता पूछा गया तो अक्षत मिश्रा....मोहित आर्या....संतोष निर्मल... अभिषेक... अरविन्द प्रजापति... ... हम लोग डर गये थे जिस कारण मोहित और अक्षत ने आप लोगो पर फायर कर दिया। आज हम लोग अपने हिस्से की टोटियो को उनकी पत्नी से अलग करके बोरियो मे भरकर बेचने के लिए फुरसतगंज ले जा रहे थे

तथा कुछ टोटियां हमारे साथी हमारे साथी प्रयागराज साहू के साथ ई–रिक्शा लोडर नं0 UP33CT6810 से पांच बोरियो मे लूटी गयी टोटी लेकर रायबरेली बेचने के लिए जा रहा है। ..... "

केस डायरी संख्या–1 के पृष्ठ संख्या 11 पर अवलोकन नकल फर्द में अंकन किया गया है कि,"..... मौके पर फोर्ट फी सूचना पूर्व से मामूरशुदा टीम उ0नि0 मोहित कुमार शर्मा, उ0नि0 शुभम शर्मा, का० शुभम कार से सभी बोरियो को निकलवाकर गिनती करायी गयी तो पहली जूट की बोरी में 153 अदद पीतल टोटी दूसरी बोरी मे 188 अदद पीतल की टोटी तीसरी प्लास्टिक की बोरी मे 192 अदद पीतल की टोटी चौथी जूट की बोरी मे 172 अदद पीतल की टूटी पांचवी एक प्लास्टिक की बोरी मे 215 अदद पीतल की टोटी कुल 920 अदद पीतल की टोटी बरामद हुयी। ....."

वादी मुकदमा के बयान तथा केस डायरी में फर्द साक्षियों के बयान अं० धारा 180 भा०ना०सु०सं० तथा अभियुक्तों द्वारा दिये गये बयानों से अभियोजन कथानक को पूर्ण रूप से समर्थन प्राप्त होता है। अभियोजन पक्ष द्वारा, अभियुक्त द्वारा सह अभियुक्तों के साथ मिलकर, गोदाम में घुस कर चौकीदारो के साथ मार पीट कर बन्धक बना कर गोदाम में रखी पीतल की टोटिया एंव चौकिदारो के फोन लूटने का कथन किया गया है, जिसमें तलाशी करने पर कुल 920 अदद पीतल की टोटी बरामद हुयी थी। अभियोजन कथानक में वादी मुकदमा तथा उसके सहकर्मियों को जान से मारने की नियत से पिस्टल से फायर किये जाने का उल्लेख किया गया है। फर्द बरामदगी के अनुसार, अभियुक्त के पास से तमंचा कारतूस बरामद होने का उल्लेख किया गया है। अभियुक्त द्वारा जमानत प्रार्थनापत्र में जिन विसंगतियों को दर्शित करने का प्रयास किया गया है, वे साक्ष्य के विश्लेषण से सम्बन्धित हैं। अभियुक्त द्वारा साक्षियों को डराये धमकाये जाने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। अतः उपरोक्त समस्त तथ्यों, परिस्थितियों एवं अपराध की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए एवं मामले के गुण दोष पर बिना कोई अभिमत व्यक्त किये जमानत प्रार्थनापत्र **निरस्त** किये जाने योग्य हैं।

आदेश

प्रार्थी/अभियुक्त **मोहित आर्या** की ओर से यह प्रथम जमानत प्रार्थनापत्र मुकदमा अपराध संख्या–73/2026 अन्तर्गत धारा–109(2),3(4) भारतीय न्याय संहिता व 9/25/27 आर्म्स एक्ट, थाना–डीह, जनपद–रायबरेली के मामले में प्रस्तुत प्रथम जमानत प्रार्थनापत्र **निरस्त** किया जाता है।

(अनिल कुमार पंचम)
प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश,
रायबरेली।

Maneesha Kumari
(Stenographer)

Digitally signed by ANIL KUMAR
Date: 2026.07.01 16:18:42 IST
Reason: Order
Location: District & Session Court, Raebareli